भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: 293
05 अगस्त, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जिला अस्पतालों में ऑन्कोलॉजी विभाग

***293. डॉ. एस.टी. हसन:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या खाद्य पदार्थों में मिलावट, प्रदूषित हवा, संदूषित पानी और बड़ी संख्या में सेल्युलर बेस स्टेशन/टावर कैंसर के प्रमुख कारण हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या ऑन्कोलॉजी से संबंधित विशिष्ट विभागों की कमी के कारण जिला अस्पतालों में उचित कैंसर उपचार सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और
(घ) सरकार द्वारा देश भर के जिला अस्पतालों में कैंसर के उपचार हेतु समुचित सुविधाएं प्रदान करने के लिए ऑन्कोलॉजी विभाग स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है और इस संबंध में क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

05 अगस्त, 2022 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 293 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): कैंसर एक बहुकारक रोग है, जिसके जोखिम कारकों में बढ़ती उम्र, आराम तलब जीवनशैली, तंबाकू उत्पादों का प्रयोग, अस्वास्थ्यकर खुराक और वायु प्रदूषण शामिल हैं।

- आईसीएमआर द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, 2018 में पर्यावरणीय विषविज्ञान और भेषज विज्ञान में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार मिलावटी खाद्य वस्तुओं का सेवन स्तन, मस्तिष्क और प्रोस्ट्रेट कैंसर से जुड़ा है।
- कैंसर-कारक एजेंटों के प्रभाव का मूल्यांकन करने तथा निवारक और सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन गठित तकनीकी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण का भी कैंसर से संबंध है।
- आईसीएमआर द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, क्लिनिक्स इन ऑन्कोलॉजी में 2020 में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार संदूषित जल का संबंध त्वचा के कैंसर से है।
- दूरसंचार विभाग के अनुसार, सेल्युलर बेस स्टेशनों और टावरों का कैंसर से संबंध होने का कोई साक्ष्य नहीं है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और आघात की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और संसाधन क्षमता के अध्यधीन तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। कैंसर एनपीसीडीसीएस का एक अभिन्न अंग है। यह कार्यक्रम कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उनके उपचार के लिए उपयुक्त स्तर के स्वास्थ्य परिचर्या केंद्र में रेफरल के लिए अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता सृजन पर केंद्रित है। एनपीसीडीसीएस के अंतर्गत, 685 जिला एनसीडी क्लीनिक, 266 जिला डे केयर केंद्र और 5451 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के अंतर्गत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में भी, देश में सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) अर्थात् मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसरों की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को तीन सामान्य कैंसर यानी मुख, स्तन और गर्भाशय कैंसर संबंधी जांच के लिए लक्षित किया गया है। इन सामान्य कैंसरों की जांच आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के तहत सेवा प्रदानगी का एक अभिन्न अंग है।

कैंसर का निदान और उपचार स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्रों में विभिन्न स्तरों पर किया जाता है। सरकारी अस्पतालों में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए उपचार या तो निशुल्क है या अत्यधिक रियायती दर पर किया जाता है। केंद्र सरकार कैंसर संबंधी विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या के लिए सुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से कैंसर के विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या केंद्रों का सुदृढ़ीकरण नामक स्कीम का कार्यान्वयन कर रही है। इस स्कीम के तहत 19 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआई) और 20 विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या कैंसर केंद्रों (टीसीसीसी) को मंजूरी दी गई है। इनका ब्यौरा अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत नए एम्स और कई उन्नत संस्थानों के मामले में इसके विभिन्न पहलुओं में ऑन्कोलॉजी पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। इसका ब्यौरा अनुलग्नक-2 में दिया गया है। झज्जर (हरियाणा) में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना और चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता के दूसरे परिसर की स्थापना भी इस दिशा में एक कदम है। ये सभी देश में कैंसर के इलाज की क्षमता को बढ़ाते हैं।

अनुलग्नक –1

एससीआई और टीसीसीसी की तालिका

क्र.सं.	राज्य	संस्थान का नाम	एससीआई/ टीसीसीसी
1	आंध्र प्रदेश	कुरनूल मेडिकल कॉलेज, कुरनूल	एससीआई
2	असम	गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल, गुवाहाटी	एससीआई
3	बिहार	इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना	एससीआई
4	छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर	एससीआई
5	दिल्ली	लोक नायक अस्पताल	टीसीसीसी
6	गुजरात	गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	एससीआई
7	गोवा	गोवा मेडिकल कॉलेज, पणजी	टीसीसीसी
8	हरियाणा	सिविल अस्पताल, अंबाला कैंट	टीसीसीसी
9	हिमाचल प्रदेश	इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला	टीसीसीसी
10	हिमाचल प्रदेश	श्री लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज, मंडी	टीसीसीसी
11	जम्मू और कश्मीर	शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर	एससीआई
12		गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू	एससीआई
13	झारखंड	क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची	एससीआई
14	कर्नाटक	किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी (आरसीसी), बंगलुरु	एससीआई
15		मांड्या आयुर्विज्ञान संस्थान, मांड्या	टीसीसीसी
16	केरल	क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम	एससीआई
17		सरकारी मेडिकल कॉलेज, कोझीकोड	टीसीसीसी
18	मध्य प्रदेश	जी.आर. मेडिकल कॉलेज, ग्वालियर	टीसीसीसी
19		नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर	एससीआई
20	महाराष्ट्र	राष्ट्रसंत तुकडोजी क्षेत्रीय कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, नागपुर	टीसीसीसी
21		सरकारी मेडिकल कॉलेज, औरंगाबाद	एससीआई
22		विवेकानंद फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर, लातूर	टीसीसीसी
23	मिजोरम	मिजोरम राज्य कैंसर संस्थान, आइजोल	टीसीसीसी
24	नगालैंड	जिला अस्पताल, कोहिमा	टीसीसीसी
25	ओड़िशा	आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक	एससीआई
26	पंजाब	सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर	एससीआई
27		सिविल अस्पताल, फाजिल्का	टीसीसीसी
28	राजस्थान	एस पी मेडिकल कॉलेज, बीकानेर	टीसीसीसी
29		एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर	एससीआई
30		झालावाड़ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, झालावाड़	टीसीसीसी
31	सिक्किम	मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, सोचीगांग (सिचे), गंगटोक के	टीसीसीसी

		पास, सिक्किम,	
32	तमिलनाडु	कैंसर संस्थान (आरसीसी), अडयार, चेन्नई	एससीआई
33	तेलंगाना	एमएनजे इंस्टिट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी एंड आरसीसी, हैदराबाद	एससीआई
34	त्रिपुरा	कैंसर अस्पताल, अगरतला	एससीआई
35	उत्तर प्रदेश	संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ	टीसीसीसी
36	उत्तराखंड	सरकारी मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी	एससीआई
37	पश्चिम बंगाल	सरकारी मेडिकल कॉलेज, बर्धवान	टीसीसीसी
38		मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बेरहमपुर, मुर्शिदाबाद	टीसीसीसी
39		सागोर दत्ता मेमोरियल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कोलकाता	टीसीसीसी

अनुलग्नक- 2

तालिका 1: 22 नए एम्स की स्थिति

क्र.सं.	एम्स	स्थिति		क्र.सं.	एम्स	स्थिति
1	भोपाल	कैंसर उपचार सुविधा के साथ कार्यशील		12	बठिंडा	कैंसर उपचार सुविधा के साथ स्थापित किया जा रहा है
2	भुवनेश्वर			13	गुवाहाटी	
3	जोधपुर			14	बिलासपुर	
4	पटना			15	देवघर	
5	रायपुर			16	जम्मू	
6	ऋषिकेश			17	कश्मीर	
7	रायबरेली	कैंसर उपचार सुविधा के साथ स्थापित किया जा रहा है		18	मदुरै	
8	मंगलगिरी			19	राजकोट	
9	नागपुर			20	बीबीनगर	
10	कल्याणी			21	मनेठी	
11	गोरखपुर			22	दरभंगा	

तालिका 2: कैंसर उपचार के लिए उन्नत किए जा रहे राज्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सूची

क्र.सं.	राज्य	सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम	सुविधा
चरण-I			
1.	झारखण्ड	क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान रांची	68 बिस्तरों वाला ऑन्कोलॉजी ब्लॉक
चरण-II			
2.	पंजाब	सरकारी मेडिकल कॉलेज अमृतसर	ऑन्कोलॉजी
3.	हिमाचल प्रदेश	राजेंद्र प्रसाद सरकारी मेडिकल कॉलेज, टांडा	ऑन्कोलॉजी
चरण-III			
4	कर्नाटक	कर्नाटक आयुर्विज्ञान संस्थान, हुबली	चिकित्सा ऑन्कोलॉजी
5	राजस्थान	एसपी मेडिकल कॉलेज, बीकानेर	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
6	राजस्थान	आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर	रेडियोथेरेपी ऑन्कोलॉजी /
7	तेलंगाना	काकतीय मेडिकल कॉलेज, वारंगल	चिकित्सा ऑन्कोलॉजी
8	उत्तर प्रदेश	सरकारी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
10	उत्तर प्रदेश	एमएलएन सरकारी मेडिकल कॉलेज, इलाहाबाद	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
11.	उत्तर प्रदेश	एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ	रेडियोथेरेपी
चरण-IV			
12	उत्तर प्रदेश	सरकारी मेडिकल कॉलेज, आगरा	विकिरण चिकित्सा / ऑन्कोलॉजी
13.	बिहार	पटना	रेडियोथेरेपी (उपकरण)